Aug 01
1

235

प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई दिनांक 15 अगस्त, 2001 को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए ।

मेरे प्यारे देशवासियो, अभी आपने हमारी तीनों सेनाओं के मधुर बैंड को सुना । मैं आपको बधाई देता हूं हम स्वतन्त्रता की 54वीं वर्षगांठ मना रहे हैं । स्वतंत्रता के संग्राम में जो शहीद हुए, आज हम उनको विनम्र श्रृद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं । स्वतंत्रता संग्राम के सभी महापुरूषों विशेष रूप से महात्मा गांधी और नेता जी सुभाष चन्द्र बोस का स्मरण करना चाहता हूं । इनकी प्रेरणा इस नई शताब्दी में हमारा मार्गदर्शन करेगी । इस मौके पर विश्व के कौने कौने में बसे भारतीय मूल के लोगों को भी मैं बधाई देना चाहता हूं । सौ करोड़ लोगों का ये देश पांच हजार पुरानी सभ्यता की विरासत लेकर आज एक गौरवपूर्ण अध्याय लिखने जा रहाहै ।

मित्रो, याद कीजिए तीन साल पहले परमाणु परीक्षण के बाद हमें कितनी कठिनाइयों के दौर से गुजरना पड़ा था । आज वे कठिनाइयां दूर हो रही हैं । राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हमने इन कठिनाइयों को सफलतापूर्वक झेला । आज दुनिया के अनेक देशों के साथ हमारे संबंधों में घनिष्ठता आई है । उनके साथ नियमित रूप से स्ट्रेटिजिक डॉयलॉग हो रहा है । दुनिया में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ी है ।

भाइयो और बहनो, हम विश्व शान्ति के प्रबल समर्थक हैं, हम हजारों वर्षों से पृथ्वी शान्ति से लेकर वनस्पत: शान्ति का पाठ करते आ रहे है । स्वाभाविक रूप से हम अपने पड़ौसियों के साथ भी शान्ति का रिश्ता चाहते हैं । सारी दुनिया जानती है, कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए भरसक प्रयास किए हैं । ये प्रयास नेहरू जी से लेकर अब तक चल रहे हैं । अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गये । लेकिन इनसे स्थाई शान्ति की स्थापना नहीं हुई । मैंने भी एक नई शुरूआत करने का प्रयास किया था । शान्ति के लिए लाहौर की यात्रा की थी, लाहौर घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने के बावजूद पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ कर दी । हमारे सैनिकों ने उन्हें अपने शौर्य और पराक्रम से

...2

वापस खदेड़ दिया । उस लड़ाई में जो शहीद हुए मैं उन सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि देता हूँ और उनके परिवारों के साथ इस अवसर पर सहानुभूति संवेदना प्रकट करता हूँ । कारगिल और आतंकवाद के बावजूद पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ को बातचीत के लिए आमन्त्रित किया । मैंने आगरा में अपने मेहमान को बताया हम पचास साल से लड़ रहे हैं, अब कितने साल और लड़ने का इरादा है । इस लड़ाई से न तो भारत का भला हुआ है न पाकिस्तान का भला हुआ है । दुश्मनी के कारण दोनों देश अपने सीमित संशाधनों को लड़ाई में और लड़ाई की तैयारी पर खर्च कर रहे हैं । होना ये चाहिए था कि हम इन दुर्लभ संशाधनों को दोनों देशों के विकास के लिए जनता की जीवन स्तर सुधारने के लिए खर्च करते । मैंने अपने मेहमान से ये भी कहा कि यदि हमें लड़ाई ही लड़नी है तो क्यों हम मिलकर गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी और पिछड़ेपन से लड़े । हमें मालुम है पाकिस्तान के लोग भारत के साथ अमन चाहते हैं । हमने पारस्परिक लाभ के लिए व्यापारिक आर्थिक और अन्य सहयोगों को बढ़ावा देना माना है । हम दोनों देशों के लोगों के बीच सम्पर्कों को प्रोत्साहित करना होगा । दुभाग्य से सभी क्षेत्रों में संबंध सुधारने में, राष्ट्रपति मुशर्रफ महोदय की रूचि नहीं थी । वे केवल एक सूत्री अजेण्डा के साथ यहां आये थे कि भारत कश्मीर पर पाकिस्तान की शर्तमान ले । मैं उनकी ये बात स्वीकार नहीं कर सकता था । वे चाहते थे कि हम शिमला समझौता और लाहौर घोषणा पत्र को भूल जायें और आगरा से एक नया सफर शुरू करें, उनकी ये बात भी स्वीकार नहीं की जा सकती थी । वो सीमापार से आने वाले आतंकवाद को जिहाद और आजादी की लड़ाई कहते रहे, इस तर्क को स्वीकार करने का तो सवाल ही नहीं था । जैसी की हमें आशंका थी आगरा शिखर वार्ता के बाद आतंकवादी गतिविधियां बढ़ी हैं, अमरनाथ, किश्तवाड़, डोडा, जम्मू और कल गाजियाबाद के निकट निर्दोष लोगों की बड़े पैमाने पर हत्या की गयी है । ये कैसी जिहाद है, ये कैसे आजादी की लड़ाई है, ये किसकी आजादी के लिए है, पाकिस्तान समर्थित जिहादी संगठनों के काम नापाक हैं । इस्लाम और इंसानीयत के विरोधी हैं । जिस कश्मीर को पाकिस्तान लड़कर प्राप्त न कर सका, उसे जिहाद या आतंक से हासिल कर लेगा इस भ्रम में किसी को न रहना चाहिए । जहां तक पाकिस्तान से बातचीत का संबंध

...3

है भारत इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहता है । लेकिन जम्मू कश्मीर में पाक समर्थित आतंकवाद को कुचलने में हम कोई कोताही नहीं बरतेंगे ।

मैं जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के लोगों से ये कहना चाहता हूँ कि हम आपके दर्द को महसूस करते हैं । उसे दूर करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं । राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने और वहां के लोगों तक विकास के लाभ पहुँचाने का जो प्रयास चल रहा है उसे हम और बढ़ायेंगे । हाल ही में वहां पंचायत के चुनाव हुए हैं । कुछ समय बाद राज्य की जनता नई विधानसभा का चुनाव करने जा रही है । हम वहां स्वतन्त्र और निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे । इस अवसर पर मुझे शायरे कश्मीर महजूर का एक शेर याद आता है । जिसका भावार्थ मैं आपको सुनाता हूं "तुम कश्मीरियों की जात और जमीन एक ही है, बेवजह आपस में दूरी पैदा मत करो । यदि मुसलमान मानों दूध हैं तो हिन्दू शक्कर, दूध को इस शक्कर से मिलने दो"। कश्मीर की ये सूफी विचार धारा ‌[तालियां] कश्मीर की ये सूफी विचारधारा भारत की आध्यात्मिक परम्परा का मिलन बिन्दू है । कश्मीरियत ये सर्वधर्म सम्भाव की एक शानदार मिसाल है । वह द्विराष्ट्रवाद के सिद्धान्त को पूरी तरह नकारती है । ऐसी कश्मीरियत पर हमें फक्र है ।

उत्तरपूर्व के राज्यों की स्थिति हमारी विशेष चिन्ता का विषय है । हिंसा से समस्याएं उलझती हैं, सुलझती नहीं हैं । इससे उत्तरपूर्व का विकास अवरूद्ध हुआ है । उन राज्यों के तमाम भाइयों और बहनों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि हमारा व्यापक शान्ति अभियान कारगर साबित होगा । भारत एक विशाल देश है । इस विशाल देश में बहुभाषाएं हैं, बहुधर्म हैं, तरह तरह की विविधताओं से ये देश भरा हुआ है । ये विविधताएं हमारी कमजोरी नहीं हैं, ये हमारी शक्ति हैं । ये सांस्कृतिक सम्पन्नता के लक्षण हैं । इन विविधताओं से ही एकता के शक्तिशाली सूत्र पकड़ में आते हैं ।

बहनो और भाइयो, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दस सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से है । आकार की दृष्टि से भी विश्व की चार सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्थाओं में आज भारत की गिनती है । सूचना प्रौद्योगिकी और मिसाइल टैक्नोलोजी सहित अनेक क्षेत्रों में भारत विश्व के अग्रणी राष्ट्रों की श्रेणी में आ गया है । जब मैं नई पीढ़ी के युवाओं को बहुत ऊंची ऊंची जिम्मेदारियों

....4

को सम्भालते हुए देखता हूँ तो भविष्य में विश्वास और मजबूत हो जाता है । ये वे लोग हैं जो आज के भारत को पहले से बेहतर बना रहे हैं कल के श्रेष्ठ और समर्थ भारत का निमार्ण कर रहे हैं । अब भारतीय होने का गौरव हम वाजिब तौर पर कर सकते हैं विश्वभर भारतीय सर उठा कर चल सकते हैं । पिछले पांच दसकों में जनसंख्या में तीन गुना वृद्धि हो जाने के वावजूद हम गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों की संख्या में कमी लाने में सफल हुए हैं, 90 के दशक में ये प्रतिशत 36 से घटकर 26 रह गया । मैं यह दावा नहीं करता कि हम जितनी तेजी से गरीबी दूर कर सकते थे उसमें हम सफल हुए हैं । किन्तु हमें विश्वास है कि भारत में घोर गरीबी धीरे धीरे समाप्त हो रही है । पिछले दसक में साक्षरता में भी भारत ने एक छलांग लगाई है । मुझे उम्मीद है कि चालू दशक में भारत करीब करीब साक्षर देश हो जाएगा ।

ये सच है कि भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि की गति हाल ही में थोड़ी धीमी हुई है । किन्तु ये अस्थाई है । केवल भारत में ही नहीं बल्कि सारी दुनिया में मंदी का दौर चल रहा है । लेकिन इससे ज्यादा चिन्तित होने की जरूरत नहीं है । क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था का आधारभूत ढांचा बहुत मजबूत है । कीमतें स्थिर हैं । मुद्रास्फीति नियन्त्रण में है । विदेशी मुद्रा का भण्डार नये रिकॉर्ड पर है । अनाज के गोदाम भरे हैं । अच्छे मानसून के कारणआने वाली फसलों से आर्थिक मोर्चे पर आशाजनक सम्भावनाएं हैं । कल की बर्सात देखकर ये आशंका होती थी कि आज का सवेरा काले बादलों से घिरा होगा और धरती बादलों के पानी से तर बतर होगी । लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बादल छट गये, सूरज निकल आया है और हम भविष्य की ओर आगे बढ़ सकते हैं । अच्छे मानसून के कारण आने वाली फसलों से आर्थिक मोर्चे पर आशाजनक सम्भावनाएं हैं । सभी आधारभूत क्षेत्रों, उद्योगों तथा कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए उपाय किए गये हैं । इस दिशा में हम शीघ्र ही और कदम उठायेंगे । इससे आर्थिक मंदी को समाप्त करने में मदद मिलेगी ।

विगत कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं ने मानों भारत की परीक्षा लेने की ठान ली हो । उड़ीसा में महाचक्रवात आया । गुजरात में विनाशकारी भूकंप, देश के कुछ भाग भीषण बाढ़ की चपेट में आये, बाढ़ के साथ कहीं कहीं सूखा भी है । लेकिन सारी प्राकृतिक आपदाओं का आपने हमने मिलकर सामना किया और लोगों को राहत पहुंचाई । अब

...5

उनके पनर्वास का काम हो रहा है । सबके सहयोग से और हम विदेशों को भी धन्यवाद देते हैं जिस गति ने जिस गति से उन्होंने हमें आकर मदद दी उसके लिए हम उनके आभारी हैं और ये उनकी मदद इस बात का प्रतीक है की सारी मानवता एक है और मानवता का कोई भी भाग अगर पीड़ित हो तो सारे शरीर में पीड़ा होती है । सबको मिलकर उसकी सहायता के लिए दौड़ पड़ना चाहिए । हम प्रयास कर रहे हैं, कि प्राकृतिक आपदाओं से कारगर ढंग से निपटने के लिए एक स्थाई और संस्थागत उपाय करें ।

मेरे प्यारे किसान भाइयों, आप देश के अन्नदाता हैं । आपने अपनी मेहनत से आज भारत को खाद्यान के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बनाया है ही तक अतिरिक्त पैदावार भी की है । अनाज का अभाव अब अतीत का विषय बन गया है । पहले हम अनाज का आयात करते थे, आज हम निर्यात कर रहे हैं । आज सरकारी गोदामों में हमारे पास छः सौ लाख टन अनाज भरा है । हम भण्डारन क्षमता बढ़ा रहे हैं । मैं जानता हूं कि हमारे किसान आज कई समस्याओं से जूझ रहे हैं । उन्हें दूर करने की लगातार कोशिश भी हो रही है । हमारा प्रयास है कि किसानों को उसकी फसल का उचित और लाभप्रद मूल्य मिले । अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा चुके हैं । कुछ लोग ये आंशका जता रहे हैं कि विश्व व्यापार संगठन यानी डब्लू॰टी॰ओ॰ के प्रति वचनबद्धता के कारण भारतीय बाजार सस्ते कृषि आयातों से पट जाएगा । ये आंशका गलत साबित हुई है । हम अनुचित आयात को रोकने आवश्यकता के अनुसार आयात शुल्क लगाने में और बढ़ाने में सक्षम हैं । हमने कई मामलों में ऐसा किया भी है । ये सही है कि विश्व के व्यापार की एक नई तस्वीर उभरी है । इसने भारतीय कृषि और पेशवर तथा अर्थव्यवस्था के लिए अनेक चुनौतियां खड़ी की हैं । हम संगठित होकर इसका मुकाबला कर सकतेहैं और करेंगे । मैं देश के सभी किसानों, मजदूरों, प्रबंधकों, उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे अर्थव्यवस्था को विश्वभर स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा के लिए और अधिक तेजी से तैयार करें । इसके लिए कृषि और उद्योगों में निरन्तर गुणवत्ता बढ़नी चाहिए । उत्पादन खर्च में कमी होनी चाहिए ।

मित्रों, कोई दस साल पहले भारत ने नई आर्थिक नीति अपनाई थी । इससे अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है । लेकिन इसके साथ साथ कई नई समस्याएं भी सामने आई हैं । ये सच है कि हाल की कुछ घटनाओं ने वित्तीय और पूंजी बाजार में कुछ कमजोरियों के वित्तीय और पूंजी

....6

बाजार में कुछ कमजोरियों को उजागर किया है । इससे लोग थोड़े चिन्तित हुए हैं । हमने इन कमजोरियों को दूर करने के लिए कई कदम उठाये हैं और आगे उठायेंगे । शेयर बाजार तथा वित्तीय संस्थाओं की कार्य प्रणाली में ऐसे सुधार लाये जायेंगे जिससे छोटे निवेशकों के हितों की रक्षा हो । किसी उद्योग की सफलता को सेन केन प्रकारेण कमाये हुए मुनाफे से ही आंकना उचित नहीं होगा । उदाहरण की सफलता के लिए जरूरी है कि नई कॉरपोरेट नैतिकता को विकसित किया जाये ।

भाइयो और बहनो, पिछले दिनों में भ्रष्टाचार और घोटाले के कुछ मामले सामने आये हैं । भ्रष्टाचार की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए । न ही भ्रष्टाचार को पनपने देना चाहिए । भ्रष्टाचारी को उसके किए की सजा मिलनी ही चाहिए । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भ्रष्ट लोग कानून के लम्बे हाथ से बच नहीं सकेंगे चाहे वे कितने ही ऊंचे पदों पर क्यों न बैठे हों । कल ही लोक सभा में एक नया विधेयक पेश हुआ है, लोकपाल विधेयक । उसमें प्रधानमंत्री को भी यदि भ्रष्टाचार के आरोप उन पर लगते हैं तो जांच के लिए शामिल किया गया है । हमारी सरकार इस संबंध में कोई भेदभाव नहीं करेगी और बड़े से बड़े व्यक्ति को अगर आवश्यकता हुई तो कटघरे में खड़ा करने में परहेज नहीं करेगी । अपने कई मामलों में कड़ी से कड़ी कार्रवाई की है । लेकिन इस संबंध में एक बात कहना चाहूंगा निराधार आरोपों को घोटाला की प्रवृत्ति देने की प्रवृति से हम बचें । मैं जानता हूं कि हमारे देश में अधिकांश जनता ईमानदारी से रोजी रोटी कमाने में विश्वास करती है ।

प्यारे देशवासियो, ये वर्ष भारत की नई आर्थिक नीति के दशक का वर्ष है । इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि आर्थिक उदारीकरण से देश को लाभ हुआ है । लेकिन ये भी सच है कि उदारीकरण के फलस्वरूप जो अभी तक पर्याप्त मात्रा में गरीब जनता तथा, गांववासियों तकनहीं पहुंच पाये हैं, विषमता बढ़ी है । इसलिए मेरी सरकार ने गहन मंथन के बाद ये फैसला किया है कि हम आर्थिक नीति को और अधिक गरीब परस्त, ग्रामपरस्त और रोजगार मुखी बनायेंगे । हम क्षेत्रीय संतुलन तथा सामाजिक विषमता को मिटाने के लिए इस नीती में आवश्यक तब्दीलियां करेंगे । हमारा यह कृतसंकल्प है कि नई आर्थिक नीति सामाजिक न्याय की संवाहक बनें । तथा उसका पूरा पूरा लाभ हमारे

दलित, आदिवासी, पिछड़े और पिछड़ों में से पिछड़े वर्गों को तक पहुँचे, इस दिशा में गत तीन सालों में हमने कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं । इसी क्रम में अब हम नये कदम उठाने जा रहे हैं । ग्रामीण इलाकों में अधिक और सुनिश्चित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार दस हजार करोड़ रुपये की एक नई महत्वाकांक्षी योजना शुरू कर रही है । केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित ये योजना सम्पूर्ण, ग्रामीण रोजगार योजना होगी । इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों द्वारा संचालित स्थाई विकास के कार्यों में काम करने वालों को नकद और अनाज के रूप में मजदूरी मिलेगी । इसके लिए पांच हजार करोड़ रुपये के मूल्य का पचास लाख टन अनाज राज्यों को हर साल आवंटित किया जाएगा । मौजूदा सभी रोजगार योजनाओं को इस वृहद योजना में सम्मिलित किया जाएगा । इस योजना से लगभग सौ करोड़ श्रम जिनके रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे ।

हमारी अर्थव्यवस्था में एक खास विसंगति है । प्राय: समूची बचत बैंकों में जमा है । बैंक इसका पूरी तरह से विकास कार्यों में इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं । दूसरी तरफ अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्रों को बैंकों की सहायता नहीं मिलती है । यह संगठित क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का दो तिहाई हिस्सा है । इस क्षेत्र की ऋण वापसी की साख बड़े उद्योगों की तुलना में अच्छी है । हम असंगठित क्षेत्रों को साधन मुहैया कराने के लिए एक संस्थागत प्रबंध का विचार कर रहे हैं । विकेन्द्रीयकरण के बिना न तो विकास में तेजी संभव है, नहीं इसमें जनता की भागीदारी इसलिए दस वर्ष पहले पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार सौंपने के लिए हमारे संविधान में दो महत्वपूर्ण संशोधन किए गये । लेकिन अभी भी वित्तीय और प्रशासनिक दृष्टि से हम पंचायतों को पर्याप्त रूप से अधिकार सम्पन्न नहीं बना पाये हैं । इस महत्वपूर्ण उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सरकार शीघ्र ही एक राष्ट्रीय बहस छेड़ेगी । इसमें पंचायती राज संस्थाओं के तीस लाख से अधिक सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा । हम चाहेंगे की विकास की प्राथमिकताओं का निर्धारण कार्यक्रमों की योजना तथा कार्यान्वयन, ग्रामवासियों की भागीदारी से पंचायतें स्वयं करें । इसके लिए पंचायतों को प्रधान ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में लगे गैर सरकार संगठनों को बैंकों तथा तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण उपलब्ध कराने के बारे में भी कदम उठाये जाएंगे । हम सभी जानते हैं कि लोकतन्त्र और भुखमरी साथ साथ नहीं चल सकते ।

242

इसलिए हम एक राष्ट्रीय पोसाहार मिशन शुरू करेंगे । जिसके अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे बसर कर रहे परिवारों की गर्भवती महिलाओं, दुध पिलाने वाली माताओं और किशोरियों को सस्ते दर पर अनाज उपलब्ध कराया जाएगा । जो धार्मिक सामाजिक तथा शैक्षिक संस्थाएं गरीबों के लिए सामूहिक भोजन का कार्यक्रम चलाते हैं । उन्हें यदि वे चाहें तो सरकार सस्ते दाम पर अनाज उपलब्ध करायेगी ।

मित्रो, भारत में शहरों की आबादी तेजी से बढ़ रही है । गरीबों के लिए सस्ते मकानोंकी काफी कमी है । सरकार ने विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, जन जातियों, पिछड़े वर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए अम्बेडकर वाल्मीकि मलिन बस्ती आवास योजना शुरू करने कानिर्णय लिया है । शहरी विकास मंत्रालय इस योजना के लिए प्रतिवर्ष एक हजार करोड़ रूपये का अनुदान देगा । जिसका क्रियान्वयन हुडको करेगा । वे इस योजना के लिए दो हजार करोड़ रूपये ऋण के रूप में भी उपलब्ध करायेगा ।

हमारी सेना के तीन लाख जवानों को के परिवारों को आवास की सुविधा तक नहीं मिली है । आवास निर्माण की आज की मौजूदा गति से इस लक्ष्य पूर्ति के लिए तीस साल लगेंगे । हमने फैसला किया है इन तीन लाख मकानों का निमार्ण अगले तीन चार सालों में पूरा किया जाएगा । पिछले साल मैंने स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का उल्लेख किया था । प्राय: सभी राज्यों मेंइसका क्रियान्वयन हो रहा है । अब तक इस योजना के लिए केन्द्र ने पांच हजार करोड़ रूपये उपलब्ध कराये हैं । इस पूरी योजना में कुल साठ हजार करोड़ रूपये की लागत आएगी । सन् दो हजार सात में दसवीं पंचवर्षीय योजना से अन्त तक पांच सौ से ज्यादा आबादी वाले सभी गावों को बारहमासी सड़कों से जोड़ दिया जाएगा । पचपन हजार करोड़ रूपये की राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना स्वतन्त्र भारत की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है । इस पर काम को और तेज किया जाएगा । मुझे विश्वास है कि इन दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं से रोजगार के लाखों नये अवसर पैदा होंगे और पूरी अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी । हमारा लक्ष्य है दूरी को दूर करना । इसलिए हम भारत के सभी गावों को सिर्फ सड़कों से ही नहीं बल्कि दूर संचार तथा इन्टरनेट के माध्यम से भी जोड़ना चाहते हैं । इस दिशा में पिछले दो सालों में काफी प्रगीति हुई है । इस काम को हम और तेजी से आगे बढ़ायेंगे ।

....9

243

लघु और कुटीर उद्योग रोजगार के सबसे बड़े स्रोत हैं । अकेले खादी ग्रामोद्योग के आयोग के अधीन विभिन्न इकाइयों में साठ लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है । पिछले तीन वर्षों में छः लाख नये रोजगार पैदा हुए हैं । इस आयोग और सशक्त बनाने के लिए हम कई नए कदम उठायेंगे । खादी तथा ग्रामोद्योग उत्पादों को विदेशी बाजारों में लोकप्रिय बनाने के लिए कारगर कदम उठाये जा रहे हैं । पर्यटन, रोजगार बढ़ाने तथा विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक बड़ा स्रोत है । दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहे उद्योगों में पर्यटन का प्रथम स्थान है । इस वर्ष के अन्त तक हम एक प्रगतिशील राष्ट्रीय पर्यटन नीति अपनायेंगे ।

मित्रो, न्यायिक व्यवस्था में देरी और अन्य खामियों के कारण पूरा समाज और विशेष रूप से गरीब जनता तंग आ चुकी है । देरों लम्बित मामलों को कम करने के लिए सरकार ने सत्तरह सौ फास्ट ट्रैक न्यायालयों की स्थापना की है । हम ऐसी कानूनों और नियमों को जो गरीबों के हितों के प्रतिकूल हैं निरस्त करने या उनमें संशोधन करने के लिए जल्दी ही आवश्यक कदम उठायेंगे । हम उन सभी प्रक्रियाओं और कार्य पद्धतियों की भी समीक्षा करेंगे जिसकी वजह से दुर्भाग्यवश सरकारी एजेंसियों द्वारा गरीबों को परेशान किया जाता है । सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य के लक्ष्य की प्राप्ति के प्रति वचनबद्ध है । पोलियो टीकाकरण अभियान की अभूतपूर्व सफलता ने हमें सीखें दी हैं और हम शीघ्र ही कुष्ठ रोग, क्षय रोग, मलेरिया, तथा एड्स जैसे कुछ अन्य रोगों के खिलाफ जन आन्दोलन चलाने की रूपरेखा बनाएंगे । हाल के वर्षों में आयुर्वेदिक और अन्य देशी चिकित्सा पद्धतियों में देश विदेश सब जगह विश्वास बढ़ा है । आम बीमारियों के इलाज के लिए सदियों पुरानी प्रमाणिक जड़ी बूटियों और परम्परागत दवाइयों का किट सस्ते दामों पर उपलब्ध कराने का हमारा विचार है । मैं किसान और औषध कम्पनियों से आग्रह करता हूं कि आयुर्वेदिक और देशी ईलाज की दुनिया में बढ़ती हुई लोकप्रियता से मौके का लाभ उठायें ।

इस वर्ष को हम महिला सशक्तिकरण वर्ष के रूप में मना रहे हैं । इसलिए हम हमारी माताओं बहनों और बालिकाओं के लिए कल्याण के लिए चलाये जा रहे सभी कार्यक्रमों में तेजी लायेंगे । मैं विशेष रूप से महिलाओं द्वारा बनाये गये अपनी सहायता आप करो स्वयं सेवा समूहों को बधाई देना चाहता हूं । क्योंकि इसकी वजह से एक सामूहिक एक सामूहिक सामाजिक आर्थिक क्रान्ति की शुरूआत हुई है ।

भारत में तथा दक्षिण ऐशिया क्षेत्र में भी सफलता के ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां स्व: सहायता समूहों ने बैंकों से लघु ऋण का लाभ उठाते हुए गांवों और शहरों से गरीबी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । इसलिए सरकार दो हजार चार के अन्त तक देश चौदह लाख बस्तियों में से हरेक में कम से कम एक स्वाबलम्बी समूह स्थापित करने में मदद देगी । महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए हमने एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है अगले तीन सालों के अन्दर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपनी कुल ऋण राशि की पांच प्रतिशत रकम महिला उद्यमियों को कर्ज देंगे । इससे सत्तरह हजार करोड़ रुपये के ऋण उन्हें मुहैया होंगे ।

इन नये कार्यक्रमों को शुरू करते हुए हम एक बात को अच्छी तरह से जानते हैं अक्सर योजनाएं बनती हैं । अगर उन्हें प्रभावी और समय बद्ध तरीके से अमल में लाने की व्यवस्था ढीली पड़ जाती है । इसलिए सरकार ने अगले वर्ष को विशेष तौर पर कार्यान्वयन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है । इसके लिए विभिन्न गरीबी निवारण और रोजगार सृजन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक त्वरित कार्यदल रैपिड एक्शन फोर्स का गठन किया जाएगा । बच्चे हमारे देश की सबसे बड़ी अनमोल सम्पत्ति हैं । दस साल पहले विश्व सम्मेलना में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मैंने सब बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अधिक निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया था । लेकिन अकेले सरकारी ऐजेंसियों से ये सम्भव नहीं है । इसीलिए मैं सेवाभावी संस्थाओं, उद्योगों तथा आम नागरिकों से आग्रह पूर्वक कहना चाहूंगा कि हम सब मिलकर ये सुनिश्चित करें कि हिन्दुस्तान का हरेक बच्चा अच्छी तरह से फले फूले ।

अगले महीने संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा का बच्चों पर एक विशेष सत्र होने जा रहा है । इसमें भारत अपनी प्रतिबद्धता को दुहरायेगा । मित्रो, देश में राजनैतिक स्थिरता है । जीवन्त, लोकतन्त्र है । इतने बड़े देश में छोटी बड़ी समस्याएं आती रहती हैं । लोकतन्त्र में राजनैतिक विरोध स्वाभाविक है । लेकिन विरोध केवल विरोध के लिए नहीं होना चाहिए । हमारे देश में राजनीतिक दल बुद्धिजीवी वर्ग तथा मीडिया को अपने विचार व्यक्त करने की पूरी आजादी है । ये हमारे लिए गर्व की बात है । आजादी से ही लोकतन्त्र की जड़ें मजबूत होती हैं । लेकिन आजादी के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं ।

...11

हमारा लोकतन्त्र हम सभी से अपेक्षा रखता है कि हम अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे, मर्यादाओं का पालन करेंगे । (तालियाँ)

भाइयो और बहनो, हम महान बनते भारत के नागरिक हैं । हमें भारत के भविष्य पर भरोसा रखना चाहिए, हमें स्वयं पर भरोसा रखना चाहिए, अपने बाजुओं और अपने हुनर पर भरोसा रखना चाहिए । भरोसा बड़ी पूंजी होती है । मेरी और मेरी सरकार की कोशिश है कि पारस्परिक भरोसा बढ़ता रहे, भरोसा कोई तोड़े नहीं, भरोसा भरोसा बनाने के मार्ग में कोई बाधक न बने, परस्पर विश्वास सहयोग और सहजीवन के बल पर ही हम एक आशाजनक भविष्य का निर्माण कर सकते हैं । आइये हम सब मिलकर ऐसे संगठित शक्तिशाली, समृद्धिशाली और उदार भारत की रचना के लिए एक बार फिर अपने संकल्प को दोहरायें । मेरे साथ तीन बार बोलिये जय हिन्द (जन समूह-जय हिन्द), जय हिन्द (जन समूह-जय हिन्द), जय हिन्द (जन समूह जय हिन्द)

धन्यवाद ।

=====